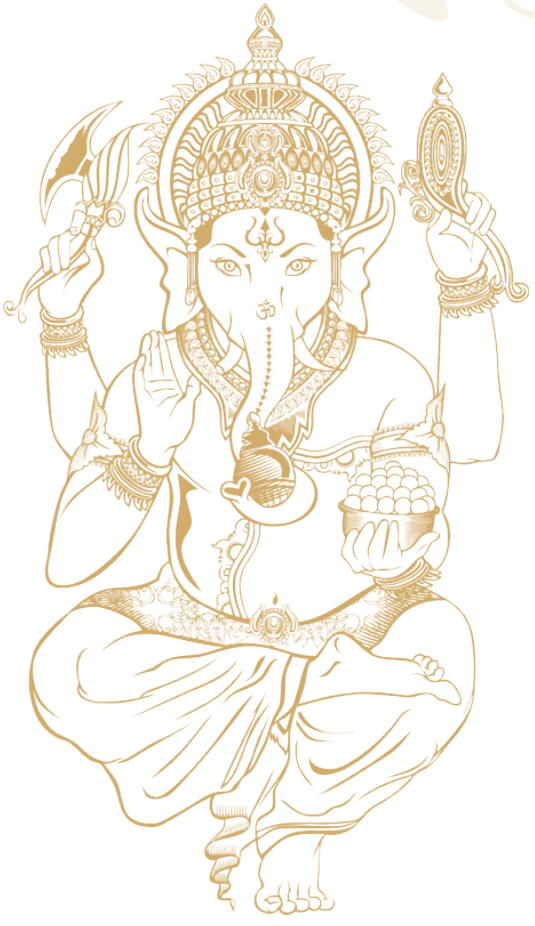

Aradhya Upadhyay

04 Sep 2015

05:48 AM

Varanasi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121840208

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**04/09/2015**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**05:48:00 घंटे**
इष्ट	00:21:03 घटी
स्थान	**Varanasi**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	25:20:00 उत्तर
रेखांश	83:00:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:02:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	05:50:00 घंटे
वेलान्तर	00:00:47 घंटे
साम्पातिक काल	04:41:15 घंटे
सूर्योदय	05:39:34 घंटे
सूर्यास्त	18:14:17 घंटे
दिनमान	12:34:43 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	17:05:53 सिंह
लग्न के अंश	18:10:06 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**कृतिका - 1**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	व्याघात
करण	विष्टि
गण	राक्षस
योनि	मेष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	गरूड़
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	अ-आकांक्षा
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	18:10:06	323:50:27	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	---
सूर्य			सिंह	17:05:53	00:58:07	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	मूलत्रिकोण
चंद्र			मेष	29:16:48	13:57:52	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	राहु	सम राशि
मंगल			कर्क	22:37:25	00:38:08	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	चंद्र	नीच राशि
बुध			कन्या	14:08:11	00:58:30	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	उच्च राशि
गुरु		अ	सिंह	11:02:02	00:13:01	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	मित्र राशि
शुक्र	व		कर्क	20:25:15	00:05:36	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	शुक्र	शत्रु राशि
शनि			वृश्चि	05:03:46	00:03:04	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	शत्रु राशि
राहु			कन्या	07:03:27	00:00:59	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	केतु	मूलत्रिकोण
केतु			मीन	07:03:27	00:00:59	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	मूलत्रिकोण
हर्ष	व		मीन	25:49:29	00:01:44	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	---
नेप	व		कुंभ	14:15:02	00:01:39	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	---
प्लूटो	व		धनु	19:00:35	00:00:37	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	---
दशम भाव			वृष	17:44:56	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:04:35

लग्न-चलित

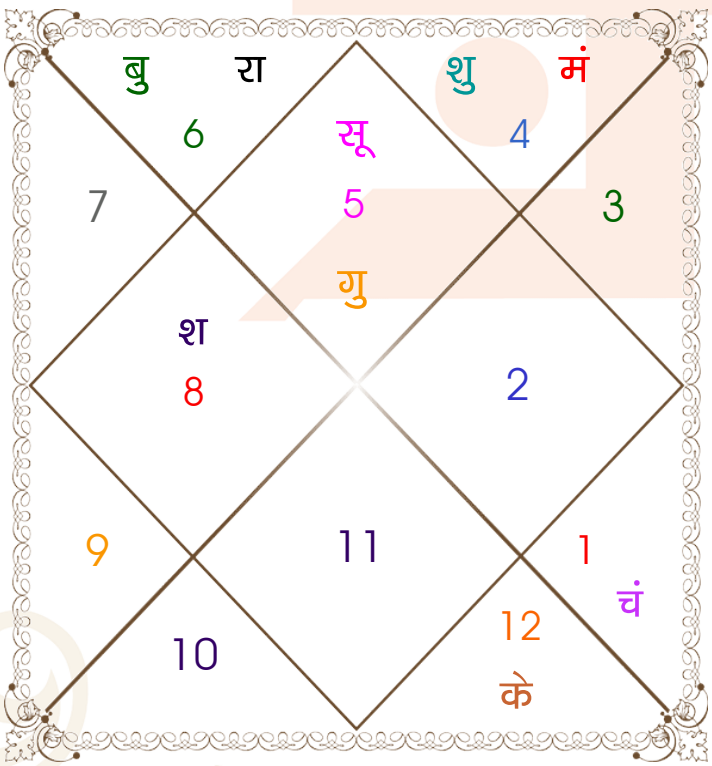

चन्द्र कुंडली

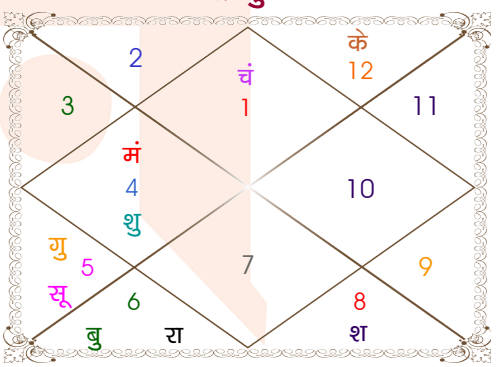

नवमांश कुंडली

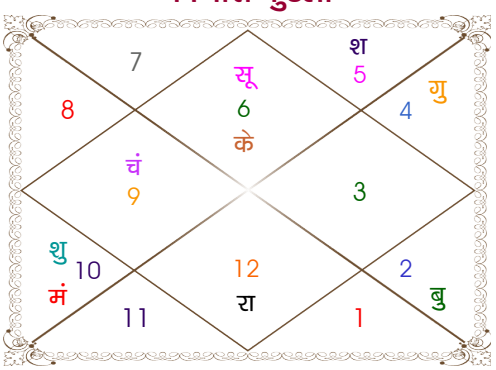

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 4 वर्ष 9 मास 27 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
04/09/2015		01/07/2020		01/07/2030		01/07/2037		01/07/2055	
01/07/2020		01/07/2030		01/07/2037		01/07/2055		01/07/2071	
	00/00/0000	चंद्र	01/05/2021	मंगल	27/11/2030	राहु	13/03/2040	गुरु	19/08/2057
	00/00/0000	मंगल	30/11/2021	राहु	16/12/2031	गुरु	07/08/2042	शनि	01/03/2060
	04/09/2015	राहु	01/06/2023	गुरु	21/11/2032	शनि	13/06/2045	बुध	07/06/2062
राहु	19/07/2016	गुरु	30/09/2024	शनि	31/12/2033	बुध	31/12/2047	केतु	14/05/2063
गुरु	07/05/2017	शनि	01/05/2026	बुध	28/12/2034	केतु	18/01/2049	शुक्र	12/01/2066
शनि	19/04/2018	बुध	01/10/2027	केतु	26/05/2035	शुक्र	18/01/2052	सूर्य	31/10/2066
बुध	24/02/2019	केतु	01/05/2028	शुक्र	25/07/2036	सूर्य	12/12/2052	चंद्र	01/03/2068
केतु	01/07/2019	शुक्र	31/12/2029	सूर्य	30/11/2036	चंद्र	13/06/2054	मंगल	05/02/2069
शुक्र	01/07/2020	सूर्य	01/07/2030	चंद्र	01/07/2037	मंगल	01/07/2055	राहु	01/07/2071

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
01/07/2071		01/07/2090		02/07/2107		02/07/2114		02/07/2134	
01/07/2090		02/07/2107		02/07/2114		02/07/2134		00/00/0000	
शनि	04/07/2074	बुध	27/11/2092	केतु	29/11/2107	शुक्र	01/11/2117	सूर्य	20/10/2134
बुध	13/03/2077	केतु	24/11/2093	शुक्र	28/01/2109	सूर्य	01/11/2118	चंद्र	20/04/2135
केतु	22/04/2078	शुक्र	24/09/2096	सूर्य	05/06/2109	चंद्र	02/07/2120	मंगल	26/08/2135
शुक्र	22/06/2081	सूर्य	31/07/2097	चंद्र	04/01/2110	मंगल	01/09/2121	राहु	05/09/2135
सूर्य	04/06/2082	चंद्र	31/12/2098	मंगल	02/06/2110	राहु	01/09/2124		00/00/0000
चंद्र	03/01/2084	मंगल	28/12/2099	राहु	20/06/2111	गुरु	03/05/2127		00/00/0000
मंगल	11/02/2085	राहु	17/07/2102	गुरु	26/05/2112	शनि	02/07/2130		00/00/0000
राहु	19/12/2087	गुरु	22/10/2104	शनि	05/07/2113	बुध	02/05/2133		00/00/0000
गुरु	01/07/2090	शनि	02/07/2107	बुध	02/07/2114	केतु	02/07/2134		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 4 वर्ष 10 मा 1 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में सिंह लग्नोदय काल में हुआ था। साथ ही कन्या नवमांश एवं धनु राशि के द्रेष्काण द्वारा एक शुभ आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप भारत स्थित शहरी क्षेत्र के निवासियों के समान जो कार्य काल बसों की प्रतीक्षा और दौड़-धूप कर अपने कार्य पर पहुंचते है। उस प्रकार की दिक्कतें का सामना आपको नहीं करना होगा। अर्थात् जन्म के शुभ लक्षण से यह प्रतीत हो रहा है कि आपको जन्म से ही वाहन सुख प्राप्त होगा।

आपको कही भी यात्रा क्रम में सार्वजनिक यातायात के लिए गाड़ी बस ट्रान्सपोर्ट आदि प्रकार की सुविधा हेतु बिना संघर्ष के ही आपकी यात्रा के पथ प्रशस्त होंगे। कही भी बस आदि से यात्रा हेतु कतार में लगकर अपने समय का अपव्यय नहीं करना पड़ेगा। आपको अपनी यात्रा हेतु अपने पास कार-बस आदि उपलब्ध होने का लाभ एवं आनन्द प्राप्त करने का वरदान प्राप्त है। वास्तविकता तो यह है कि आपको अपने स्वयं के पास वाहनों की सुविधा युक्त समर्थ होने का सौभाग्य प्राप्त है।

आपका जीवन उत्तम प्रकार के वाहन सुखों से युक्त, आरामदायक एवं आनन्द से परिपूर्ण रहेगा। आप अपार धन, सम्पति से युक्त कुशाग्र बुद्धि की विद्वान एवं अनेक कलाओं में प्रवीण होंगी। आप सर्वोत्तम प्रकार से अपना जीवन व्यतीत करेंगी। आप निम्नरूपेण उच्च श्रेणी की सेवा एवं कर्म से संबंधित रहेंगी। जो आपके लिए उपयुक्त एवं लाभप्रद प्रमाणित होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सतत कठिन श्रम करने वाली, उपव्यवसाय की खोज में लगे रहने वाली, दृढ़निश्चयी एवं प्रभावशाली प्राणी होंगी। आप सदा-सर्वदा कार्य विन्दु को निर्धारित समय से पूर्व संपन्न करने के पहले ही अन्य कार्य को हस्तगत करने की इच्छुक रहेंगी तथा आप निश्चित रूप से अपने अनुबंध में सफलता प्राप्त करेंगी।

आप भ्रमणप्रिय हैं। आप अपना अधिक समय घर से बाहर अन्यत्र बिताएंगी। किसी प्रकार विवश होकर कुछ समय अपने प्रिय परिवार के लिए बचाकर उनके साथ बिताएंगी। आप अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य से सभी कार्यों को प्रसन्नतापूर्वक संपन्न कर लेंगी।

आपकी मित्र मण्डली बड़ी होगी। आपके मित्र आपको सहानुभूति पूर्वक मान-प्रतिष्ठा प्रदान करेंगे। आप अपने रास्ते से चलेंगी-वे मित्रगण आपका सहयोग करेंगे। मित्रगण आपका उच्चस्तरीय मूल्यांकन कर अपनी दिशा मोड़कर आपकी पंक्ति में खड़े होंगे अर्थात् आपको साथ देंगे।

आप मात्र अपने कर्म व्यवसाय से ही नहीं अच्छे लाभ प्राप्त करेंगी। आप तो सदैव भाग्यशाली समय अर्थात् मौके की तलाश में रहकर अपने भाग्य को दाव पर लगाकर लाभ प्राप्त करेंगी। इसका यह अर्थ नहीं कि आप सदैव ही जुआ खेलकर अपनी भाग्योन्नति हेतु प्रयास करेंगी। परन्तु आप यदा-कदा पाशे फेंक कर अपने इस कर्म को लाभदायक प्रमाणित कर सकती है।

आपकी महत्वपूर्ण आय प्रर्याप्त है, इसमें किसी भी प्रकार की दुर्भावना नहीं है। आप बहुत धन संचय करने में समर्थ नहीं हैं क्योंकि आप जन सामान्य की नजरों में यह प्रदर्शित करेंगी कि आप अपने परिवार को एक धनाढ्य महिला की तरह भरण पोषण करती हैं। आप सदैव अपनी आय का कुछ अंश अपने घर में व्यय करेंगी।

यद्यपि आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। तथापि बाद में कतिपय रोगादि के प्रति आपको थोड़ी सतर्कता बरतना आवश्यक है। क्योंकि आपका कार्यक्रम व्यस्ततम रहता है तथा लम्बे समय तक कार्यरत रहेंगी।

आपकी यह कार्यतंत्रियाँ अधिक समय तक कार्यरत रहने के लिए सक्षम नहीं भी हो सकती है। फलस्वरूप आपके हृदय पर एवं रीढ़ की हड्डियों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। अतएव आपको इस व्यस्ततम कार्यक्रम का प्रतिकार कर शान्तिपूर्वक विश्राम ग्रहण करना चाहिए।

आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं जीवन पर अनुकूल प्रभाव हेतु पूर्णिमा का व्रत रखना अच्छा होगा। इससे आपको विभिन्न प्रकार का अति सहयोग प्राप्त होगा।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

परन्तु आपको सोमवार एवं शनिवार के प्रति सावधानी बरतनी चाहिए क्योंकि ये दोनों दिन आपके लिए अनुकूल नहीं है।

आपके लिए अनुकूल एवं प्रदोल्लित करने वाले अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक है। परन्तु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग नारंगी, लाल एवं हरा रंग है। रंग नीला, सफेद एवं काला रंग आपके लिए प्रतिकूल रंग है।